सुरंग के फटने से सेना के अनेक जवानों की मृत्यु हो गई और राज्य सरकार तथा स्थानीय प्रशासन द्वारा इस दुःखद घटना की अनदेखी कर दी गई;

(ख) क्या यह भी सच है कि आतंकवादियों ने 28 दिसम्बर, 1994 को श्रीनगर में महराजगंज पुलिस स्टेशन के निकट स्थित ऐतिहासिक "मुजाहिद मंजिल" को जला दिया और राज्य प्रशासन द्वारा इस घटना की भी अनदेखी कर दी गई ; और

(ग) यदि हां, तो क्या राज्य प्रशासन जम्मू और कश्मीर में इसी स्थिति को बनाए रखना चाहता है, यदि नहीं तो क्या सरकार के पास राज्य में सांप्रदायिक सामंजस्य कायम करने, लोगों में व्याप्त भय को दूर कर वहां सामान्य स्थिति बहाल करने तथा राज्य प्रशासन को चुस्त बनाने के लिए कोई ठोस एवं प्रभावी कार्यक्रम है और इस कार्यक्रम को कब तक लागू कर दिया जाएगा ?

प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (श्री भुवनेश चतुर्वेदी): (क) 24-12-94 को मानकोट भाटकर जिला-पूंछ में दो बारूदी सुरंग उस समय फटी जब सेना के दो वाहन उस क्षेत्र से गुजर रहे थे। इन विस्फोटों के परिणामस्वरूप सेना के 10 जवान मारे गए और 12 घायल हो गए। यह कहना सही नहीं है कि राज्य सरकार ने घटना को अनदेखा किया है, और दोषियों को पकड़ने के प्रयासों में कोई ढिलाई नहीं बरती गई है।

(ख) 27 दिसम्बर, 1994 की शाम को उग्रवादियों के एक गुट ने पाथर मस्जिद स्थित नेशनल कांफ्रेंस के मुख्यालय मुजाहिद मंजिल की इमारत को आग लगा दी। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात संतरी को काबू कर लिया और कुछ चक्र गोलियां भी चलाई। अग्निशमन गाड़ियों पर भी गोलियां चलाई गईं और लोगों के विरोध प्रदर्शनों द्वारा आतंकवादियों को अग्निशमन गाड़ियों को अपना काम कर देने के लिए मजबूर करने तक, दमकल गाड़ियों को घटना स्थल पर पहुंचने से रोका गया। आग मुजाहिद मंजिल इमारत और चार अन्य रिहायशी मकान जलकर खाक हो गए।

(ग) राज्य में सामान्य स्थिति की बहाली के अनुकूल हालात तैयार करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इनमें शामिल हैं : उग्रवादियों की गतिविधियों को सीमित रखने और बंदूक का भय कम करने के लिए उग्रवादियों के खिलाफ लगातार और लक्षित अभियान चलाना, राज्य में विकास और आर्थिक गतिविधियों को गति बढ़ाना, सिविल प्रशासन को पुनः सक्रिय बनाने के लिए कार्रवाई करना और जनता का सहयोग मांगकर तथा अधिक जवाब-देही सुनिश्चित करके सिविल प्रशासन में जनता का विश्वास सुदृढ़ करने के उपाय करना, और राज्य में राजनैतिक तत्वों को पुनः सक्रिय बनाने के प्रयास करना। इन प्रयासों को बजबूती से आगे बढ़ाया जा रहा है और सरकार का इरादा इनका अनुगमन गंभीरता से करने का है।

Rehabilitation of Kashmiri Hindu Pandit Refugees

1608. DR. MURLI MANOHAR JOSHI:

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what are the latest arrangements made for the safe return of three lakh Kashmiri Hindu Pandit Refugees to their own homes in the Kashmir Valley before the elections are held in Jammu and Kashmir;

(b) what is the mechanism evolved to ensure that Kashmiri Pandit Refugee employees of the Jammu and Kashmir State are able to rejoin their civil posts; and

(c) the details of the assistance proposed to be given to each Pandit family to rehabilitate/reconstruct/repair the properties burnt or damaged before or after the departure of the Pandits from the Valley?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) to (c) For the safe return of Kashmiri migrants, including those of the Pandit Community, and Government employees to their homes and callings/vocations in the Valley, concerted drive against militancy and various confidence building measures are being taken to create conditions conductive to their return. The Central Government is in constant touch with the State Government in this regard. The question of assistance for reconstruction of houses, etc. on their return to J&K would also be addressed taking into account the ex-gratia relief already paid to some migrants in respect of their properties destroyed in terrorist violence.

Loss of life and property due to Heavy snowfall and avalanches in Kashmir

1609. DR. MURLI MANOHAR JOSHI:
SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:
SHRI JANARDAN YADAV:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the loss of life and property due to the heavy snowfall and avalanches in January, 1995 in Kashmir;

(b) whether it is a fact that there was no fore-warning regarding these avalanches and whether such facilities are not available; and

(c) the details of relief given to the sufferers?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) and (b) 60 persons died and 4 persons sustained injuries due to avalanches between Qazigund to Jawahar Tunnel on the National Highway during the month of January, 1995. Forecast/warnings are given about heavy snow fall/rains on A.I.R./Doordarshan on the basis of forecast/warnings issued by the Meteorological Department. The State Government has also ordered an inquiry into the circumstances leading to this unfortunate calamity by a retired judge of the State High Court.

(c) The State Government paid Rs. 1 lakh each to the next of kin of those who died in the incident and Rs. 20,000/- each to those who sustained injuries, in addition to on-the-spot relief and rescue operations carried out by the State Authorities and various Central Organisations for immediate succour.

कश्मीर में आई०एस०आई० के एजेन्ट के रूप में कार्य कर रहे अधिकारी

1610. **श्री संदर सिंह भंडारी :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को यह जानकारी प्राप्त हुई है कि कश्मीर में कार्यरत कुछ अधिकारी आई.एस.आई. के एजेंट के रूप में कार्य कर रहे हैं, यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ख) ऐसे अधिकारियों की संख्या कितनी है जिनकी विदेशों में तैनाती हुई है और वे लम्बी छुट्टियों पर गये हुए हैं; और

(ग) सरकार द्वारा इन अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की जा रही है ?